SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 45: no 2, February 2005

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

मधुमती

फरवरी, 2005

राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

अनुक्रम

सम्पादकीय :

- अभय कुमार / 5

लेख :

- अभिजात (क्लैसिक) संस्कृत काव्य परम्परा और उसका सातत्य / डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, उज्जैन / 7
- मीरां का सौंदर्यबोध / डॉ. जीवन सिंह / 12
- समकालीन काव्य : पर्यावरण–विमर्श / डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ / 18
- समकालीन कविता का सच / हितेश व्यास / 23
- महाकाव्यधर्मी कथा साहित्य की प्रासंगिकता / डॉ. रमा शर्मा / 27
- शोध लेख : बालमनोविज्ञान के परिप्रेक्ष्य में प्रेमचंद का उपन्यास–साहित्य / डॉ. विवेक शंकर / 30
- ललित निबंध : शरद की सुषमा है हरसिंगार / डॉ. भुवनेश्वर प्रसाद गुरूमैता / 38
- जन्म दिवस पर : नरेश मेहता के काव्य में संवेदना और सरोकार / मदन गोपाल लढ़ा / 42
- स्मरण : कहानी – ज्योतिर्मयी / पं. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' / 44
- स्मृतिशेष : रामायण का काव्यमर्म / पं. विद्यानिवास मिश्र / 50

कविता :

- डूबना रंगों में, मछली राग, संभावनाएं / हर्षवर्द्धन शर्मा / 58
- इतिहास / सुशांत सुप्रिय / 60
- उत्सव के अंत में, देर बाद / सुदर्शन वशिष्ठ / 61
- सागर : तीन बिम्ब, खेजड़ी : तीन बिम्ब / दिलीप सिंह 'दीपक' / 62
- युग नायक, साजिश की शिकार / डॉ. भागीरथ भार्गव / 64
- प्रभु, हे प्रभु, महाप्रभु !!! / कृष्ण कुमार त्रिवेदी / 65
- अगला किनारा सूना है, कब तक प्रतीक्षा करूँ, उम्र के इस मोड़ पर, भटक गया मैं / सुशील पुरोहित / 66
- स्थिति / डॉ. बी.डी. तातेड़ / 67
- प्रश्नों के बीच प्रश्न / नंदकिशोर चतुर्वेदी / 67

साक्षात्कार :

- पद्मभूषण श्री विष्णु प्रभाकर से एक भेंट वार्ता / कृष्णा कुमारी / 68

अमरीका में भारतीय-III :

- परदेश में निकला होगा चाँद / डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल / 75

कहानी :

- कंक्रीट की दीवारों के बीच / शैल हल्दिया / 78
- सिल्वर जुबली / डॉ. रीता सोलंकी 'ऋतु' / 83

भाषान्तर :

- बंगला कहानी : तलाक / मूल : रमापद चौधरी, अनु. : उत्पल बेनर्जी / 85

व्यंग्य :

- प्रिय पाठक, तुम कहाँ हो ? / डॉ. प्रेमचन्द्र गोस्वामी / 92

गीत-ग़ज़ल :

- कौन सूरज सा दहेगा, तुम उजालों के लिए, सुबह लाना चाहता हूँ / डॉ. देवेन्द्र आर्य / 95
- पंखहीन / गोविन्द मेड़तवाल / 97
- तीन ग़ज़लें / हस्तीमल 'हस्ती' / 98
- दो ग़ज़लें / सवाई सिंह शेखावत / 99
- दो ग़ज़लें / दिनेश सिंदल / 99
- तीन ग़ज़लें / चाँद शेरी / 100
- दो ग़ज़लें / रतन सिंह 'जौनसारी' / 101

उल्लेखनीय :

- समंदर, जल्दी ही, यही सब, गुरुवर, माँ एक महापर्व / भगवती प्रसाद गौतम / 102

लघुकथा :

- सरकारी सम्पत्ति / बेगराज कलवांसिया 'ढूकड़ा' / 105

पुस्तक समीक्षा :

- राजस्थान के लोकनृत्य, समकालीन हिन्दी काव्य : दशा और दिशा / ओंकारश्री / 106
- साहित्य एवं संस्कृति चिन्तन, तो हम क्या करें, सदियों का सपना, पगडंडी / डॉ. दयाकृष्ण विजयवर्गीय 'विजय' / 108

साहित्यिक परिदृश्य : / 113

संवाद : / 118

आवरण : हेमन्त ऋतु : कालिदास कृत ऋतु संहार

- श्री कान्तिचन्द्र भारद्वाज
  11, राजबाग, सवाई माधोपुर (राज.)–322021

रेखांकन :

- सी.वी. शेषाद्री होलवनहल्ली
  तालुक कार्यालय के सामने
  कोरेटगेरे, जिला--टमकर (कर्नाटक)–572129